



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 6 अक्टूबर, 2008 / 14 आश्विन, 1930

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 03 अक्टूबर, 2008

संख्या: ई०एक्स०एन०-एफ(5)-4/2006.—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम संख्यांक 12) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम से संलग्न अनुसूची "क" के भाग-2 में निम्नलिखित संशोधन करने का प्रस्ताव करती हैं और इन्हें जन साधारण की जानकारी के लिए, एतद् द्वारा राजपत्र (असाधारण) हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया जाता है;

इनसे संभाव्य प्रभावित होने वाला कोई हितबद्ध व्यक्ति, यदि इन संशोधनों के बारे में कोई आक्षेप या सुझाव देना चाहे, तो वह उसे/उन्हें इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि के भीतर, आबकारी एवं कराधान आयुक्त, हिमाचल प्रदेश, शिमला-171009 को भेज सकेगा :

उपर्युक्त नियत अवधि के भीतर प्राप्त किए गए आक्षेप (पों) या सुझाव(वों), यदि कोई हों, पर, इन्हें अन्तिम रूप देने से पूर्व सरकार द्वारा विचार किया जाएगा, अर्थात् :-

प्रारूप संशोधन

हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम संख्यांक 12) से संलग्न अनुसूची "क" के भाग-2 में विद्यमान मद संख्या-2 के पश्चात् निम्नलिखित मद 2-क अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

"2-क सुगरकेन बगासे और अन्य कृषि अपशिष्ट से निर्मित काष्ठमुक्त एग्रोबोर्ड तथा पार्टिकल बोर्ड ।"।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित /—
प्रधान सचिव ।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. EXN-F(5)-4/2006, dated 3-10-2008 required under Clause(3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, 3rd October, 2008

File No. EXN- F(5)-4/2006.—In exercise of the powers conferred by section 10 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 (Act No. 12 of 2005), the Governor of Himachal Pradesh proposes to make the following amendments in PART-II of Schedule 'A' appended to the said Act and the same are hereby published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) for the information of the general public;

If any interested person likely to be affected, has any objection(s) or suggestion(s) with regard to these amendments, he may send the same to the Excise and Taxation Commissioner, Himachal Pradesh, Shimla-171009 within a period of thirty days from the date of publication of this notification:

Objection(s)/suggestion(s), if any, received within the above stipulated period shall be taken into consideration by the Government before finalizing the same, namely:—

DRAFT AMENDMENTS

In PART-II of the Schedule 'A', appended to the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 (Act No. 12 of 2005), after existing item No. 2, the following item 2-A shall be inserted, namely:—

"2-A. Wood free Agro Boards and Particle boards made from Sugarcane bagasse and other agri-residue. ".

By order,
Sd/-
Principal Secretary.

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 22

तारीख मरजुआ 10-9-2008

श्री मेघू राम पुत्र श्री लैहणू राम, निवासी कन्हारग, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

बनाम

आम जनता

जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत आवेदन-पत्र।

श्री मेघू राम पुत्र श्री लैहणू राम, निवासी कन्हारग, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत दावा किया है कि उसकी वास्तविक जन्म तिथि 16 फरवरी, 1942 है परन्तु उसकी जन्म तिथि परिवार रजिस्टर भाग-1 में 1952 दर्ज है व जन्म रजिस्टर में प्रार्थी की जन्म तिथि दर्ज नहीं हुई है जिसे ग्राम पंचायत कथौण के अभिलेख में दर्ज किया जाए।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को मेघू राम की जन्म तिथि 16 फरवरी, 1942 को ग्राम पंचायत के अभिलेख में दर्ज करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 20-10-2008 को प्रातः 10.00 बजे असातन व वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर अपने उजर/एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 12

तारीख मरजुआ 18-9-2008

उनवान मुकद्दमा :

श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दुरुस्ती राजस्व अभिलेख महाल जोल में।

श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन-पत्र पेश किया है कि उसका वास्तविक नाम सुरेश कुमार है जो

प्रार्थी के शिक्षा प्रमाण-पत्र व ग्राम पंचायत अभिलेख में भी दर्ज है परन्तु प्रार्थी का नाम राजस्व भू-अभिलेखमहाल जोल में शुरु दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हुआ है जिसे राजस्व भू-अभिलेख में नाम दुरुस्त करने की अनुकम्पा करें।

अतः इस इशतहार राजपत्र द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 21-10-2008 को असागतन व वकालतन हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 23-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 13

तारीख मरजुआ 22-9-2008

उनुवान मुकद्दमा :

श्री शेर सिंह पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दुरुस्ती राजस्व अभिलेख महाल जोल में।

श्री शेर सिंह पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन गुजारा है कि उसका वास्तविक नाम शेर सिंह है। जो उसके ग्राम पंचायत अभिलेख व सर्विस दस्तावेज में भी दर्ज है। परन्तु प्रार्थी का नाम राजस्व भू-अभिलेख महाल जोल में शुरु दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हुआ है जिसे राजस्व भू-अभिलेख में नाम दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इशतहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी को प्रार्थी के नाम दुरुस्ती राजस्व भू-अभिलेख महाल जोल में कोई उजर व एतराज हो तो दिनांक 21-10-2008 को असागतन व वकालतन इस अदालत में प्रातः 10.00 बजे हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 23-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 18

तारीख मरजुआ 2-9-2008

उनुवान मुकद्दमा :

श्री जय चन्द पुत्र श्री कांशी राम, निवासी जोल, V. P. O. बाग, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दरुस्ती ग्राम पंचायत के अभिलेख में।

श्री जय चन्द पुत्र श्री कांशी राम, निवासी व डाकघर बाग, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन गुजारा है कि उसका वास्तविक नाम जय चन्द है। जो उसके शिक्षा दस्तावेजों में भी दर्ज है। परन्तु उसका नाम ग्राम पंचायत बाग के अभिलेख में गसाकडू दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हो चुका है। जिसे ग्राम पंचायत बाग में नाम दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को उपरोक्त पंजीकरण के बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह इस अदालत में दिनांक 20-10-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 12-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 23

तारीख मरजुआ 18-9-2008

उनुवान मुकद्दमा :

श्रीमती सुदर्शना कुमारी पत्नी श्री सुरेश कुमार, निवासी जोल, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दरुस्ती ग्राम पंचायत मतेहड़ के अभिलेख में।

श्रीमती सुदर्शना कुमारी पत्नी श्री सुरेश कुमार, निवासी जोल, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन प्रस्तुत किया है कि उसका वास्तविक नाम सुदर्शना कुमारी है। परन्तु उसका नाम ग्राम पंचायत मतेहड़ के अभिलेख में चंचला दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हो चुका है जिसे ग्राम पंचायत मतेहड़ में दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को श्रीमती सुदर्शना कुमारी का नाम ग्राम पंचायत मतेहड़ के अभिलेख में दुरुस्त करने बारा कोई उजर एतराज हो तो वह दिनांक 21-10-2008 को असालतन व वकालतन इस अदालत में हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 26-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

न्यायालय सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा शीर्षक :

श्री दुर्गा दत्त s/o भागीरथ, निवासी रखोटा, डाकघर गाहर, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0) प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रत्यार्थी।

विषय.—नाम दुरुस्ती।

प्रार्थी उपरोक्त ने प्रार्थना-पत्र इस आशय से इस न्यायालय में प्रस्तुत किया कि प्रार्थी का सही नाम दुर्गा दत्त है। परन्तु राजस्व रिकार्ड में गलती से दुर्गा दास दर्ज है। प्रार्थी इसे दुरुस्त करवाना चाहता है।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्त करने बारे कोई एजराज हो तो वह असालतन या वकालतन हाजर न्यायालय आकर मिति 24-10-2008 को पैरवी मुकद्दमा कर सकते हैं। गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक पक्षीय अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 12-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 22

तारीख मरजुआ 10-9-2008

श्री मेघू राम पुत्र श्री लैहणू राम, निवासी कन्हारग, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

बनाम

आम जनता

जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत आवेदन-पत्र।

श्री मेघू राम पुत्र श्री लैहणू राम, निवासी कनहारग, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने इस अदालत में जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत दावा किया है कि उसकी वास्तविक जन्म तिथि 16 फरवरी, 1942 है परन्तु उसकी जन्म तिथि परिवार रजिस्टर भाग-1 में 1952 दर्ज है व जन्म रजिस्टर में प्रार्थी की जन्म तिथि दर्ज नहीं हुई है जिसे ग्राम पंचायत कथौण के अभिलेख में दर्ज किया जाए।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को मेघू राम की जन्म तिथि 16 फरवरी, 1942 को ग्राम पंचायत के अभिलेख में दर्ज करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 20-10-2008 को प्रातः 10.00 बजे अदालतन व वकालतन इस अदालत में हाजिर होकर अपने उजर/एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 18-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस० के० कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री एस० के० कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)

मिसल नं० 12

तारीख मरजुआ 18-9-2008

उनवान मुकद्दमा :

श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दुरुस्ती राजस्व अभिलेख महाल जोल में।

श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) ने इस अदालत में एक आवेदन-पत्र पेश किया है कि उसका वास्तविक नाम सुरेश कुमार है जो प्रार्थी के शिक्षा प्रमाण-पत्र व ग्राम पंचायत अभिलेख में भी दर्ज है परन्तु प्रार्थी का नाम राजस्व भू-अभिलेखमहाल जोल में शुरु दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हुआ है जिसे राजस्व भू-अभिलेख में नाम दुरुस्त करने की अनुकम्पा करें।

अतः इस इश्तहार राजपत्र द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती बारे कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 21-10-2008 को अदालतन व वकालतन हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 23-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 13

तारीख मरजुआ 22-9-2008

उनुवान मुकद्दमा :

श्री शेर सिंह पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दरुस्ती राजस्व अभिलेख महाल जोल में।

श्री शेर सिंह पुत्र श्री परमा, निवासी जोल, डाकघर पण्डोल, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन गुजारा है कि उसका वास्तविक नाम शेर सिंह है। जो उसके ग्राम पंचायत अभिलेख व सर्विस दस्तावेज में भी दर्ज है। परन्तु प्रार्थी का नाम राजस्व भू-अभिलेख महाल जोल में शेरु दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हुआ है जिसे राजस्व भू-अभिलेख में नाम दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी को प्रार्थी के नाम दरुस्ती राजस्व भू-अभिलेख महाल जोल में कोई उजर व एतराज हो तो दिनांक 21-10-2008 को असातन व वकालतन इस अदालत में प्रातः 10.00 बजे हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 23-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 18

तारीख मरजुआ 2-9-2008

उनुवान मुकद्दमा :

श्री जय चन्द पुत्र श्री कांशी राम, निवासी जोल, V. P. O. बाग, तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दुरुस्ती ग्राम पंचायत के अभिलेख में।

श्री जय चन्द पुत्र श्री कांशी राम, निवासी व डाकघर बाग, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन गुजारा है कि उसका वास्तविक नाम जय चन्द है। जो उसके शिक्षा दस्तावेजों में भी दर्ज है। परन्तु उसका नाम ग्राम पंचायत बाग के अभिलेख में गसाकडू दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हो चुका है। जिसे ग्राम पंचायत बाग में नाम दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को उपरोक्त पंजीकरण के बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह इस अदालत में दिनांक 20-10-2008 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 12-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एस0 के0 कौण्डल, कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

मिसल नं0 23

तारीख मरजुआ 18-9-2008

उनुवान मुकद्दमा :

श्रीमती सुदर्शना कुमारी पत्नी श्री सुरेश कुमार, निवासी जोल, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

बनाम

आम जनता

बाबत नाम दुरुस्ती ग्राम पंचायत मतेहड़ के अभिलेख में।

श्रीमती सुदर्शना कुमारी पत्नी श्री सुरेश कुमार, निवासी जोल, तहसील लड-भडोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) ने इस अदालत में एक आवेदन प्रस्तुत किया है कि उसका वास्तविक नाम सुदर्शना कुमारी है। परन्तु उसका नाम ग्राम पंचायत मतेहड़ के अभिलेख में चंचला दर्ज हुआ है। जो गलत दर्ज हो चुका है जिसे ग्राम पंचायत मतेहड़ में दर्ज किया जावे।

अतः सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी व्यक्ति को श्रीमती सुदर्शना कुमारी का नाम ग्राम पंचायत मतेहड़ के अभिलेख में दुरुस्त करने बारा कोई उजर एतराज हो तो वह दिनांक 21-10-2008 को असालतन व वकालतन इस अदालत में हाजिर होवे तथा अपने उजर एतराज पेश करें। अन्यथा गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 26-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एस0 के0 कौण्डल,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील लड-भड़ोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

न्यायालय सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा शीर्षक :

श्री दुर्गा दत्त s/o भागीरथ, निवासी रखोटा, डाकघर गाहर, तहसील सरकाघाट, जिला मण्डी (हि0 प्र0) प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रत्यार्थी।

विषय.—नाम दुरुस्ती।

प्रार्थी उपरोक्त ने प्रार्थना-पत्र इस आशय से इस न्यायालय में प्रस्तुत किया कि प्रार्थी का सही नाम दुर्गा दत्त है। परन्तु राजस्व रिकार्ड में गलती से दुर्गा दास दर्ज है। प्रार्थी इसे दुरुस्त करवाना चाहता है।

अतः आम जनता को बजरिया इश्तहार राजपत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्त करने बारे कोई एजराज हो तो वह असालतन या वकालतन हाजर न्यायालय आकर मिति 24-10-2008 को पैरवी मुकद्दमा कर सकते हैं। गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक पक्षीय अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 12-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
सरकाघाट, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रशाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 07 / 07

तारीख मरजुआ : 5-10-07

तारीख पेशी : 4-11-08

दावा : तकसीम.—खाता नं0 13, खतौनी नं0 24, 25, 26, खसरा कित्ता 31, रकबा तादादी 0-66-61 है0 स्थित महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब मुकद्दमा :

जीत सिंह

बनाम

हरनाम सिंह आदि।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र० नं० 3. सुशील चन्द, 4. नसीब चन्द, 6. सुनील कुमार, 7. विद्या देवी विधवा जै सिंह, 8. जगरूप सिंह पुत्र सिद्धु, 9. आम जनता, सभी निवासी महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रतिवादीगण को समन जारी किए गए हैं परन्तु समन की तामील साधारण तरीके से न हो रही है और न ही उनके सही पते उपलब्ध हो रहे हैं।

अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन व वकालतन हाजिर हों अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रसाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मु० नं० : 6/08

तारीख मरजुआ : 18-3-2008
4-11-08

तारीख पेशी :

दावा : तकसीम

ब मुकद्दमा :

जीत सिंह

बनाम

हरनाम सिंह आदि।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, खाता नं० 60, खतौनी नं० 248, खसरा नं० 860, 868, रकबा तादादी 0-02-60 है० स्थित महाल वलोटी, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र० नं० 3. सुशील चन्द, 4. नसीब चन्द, 6. सुनील कुमार पुत्रान जै सिंह, 7. श्रीमती विद्या देवी विधवा जै सिंह, 8. रवी चन्द, 9. रणजीत सिंह पुत्रान गौरी, 11. मधू सूदन, 12. रामपाल पुत्रान हमीर चन्द, सभी निवासी महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

मुकद्दमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण को समन जारी किए गए हैं परन्तु समन की तामील साधारण तरीके से न हो रही है और न ही उनके सही पते उपलब्ध हो रहे हैं।

अतः इस राजपत्र इश्तहार द्वारा उपरोक्त प्रतिवादीगण को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आवें अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रसाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मु० नं० : 07/08

तारीख मरजुआ : 18-3-2008

तारीख पेशी : 4-11-08

दावा : तकसीम.—खाता नं० 18, खतौनी नं० 33, खसरा नं० 121, रकबा तादादी 0-21-78 है० स्थित महाल ओच, मौजा धीरा।

ब मुकद्दमा :

जीत सिंह

बनाम

हरनाम सिंह आदि।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र० नं० 3. सुशील चन्द, 4. नसीब चन्द, 6. सुनील कुमार पुत्रान जै सिंह, 7. विद्या देवी विधवा जै सिंह, 8. पृथी चन्द पुत्र जै सिंह, 9. दलीप चन्द, 10. कुमेर चन्द पुत्र विधु, 11. तानी राम पुत्र महाल सिंह, 12. गगन सिंह, 13. अदन सिंह पुत्रान मस्त राम, 14. सन्धी देवी विधवा मस्त चन्द, 15. सरवण चंद्र, 16. शिव दर्शन चन्द, 17. जगदेव सिंह पुत्रान उत्तम चन्द, 18. मान चन्द पुत्र श्री दयाला, सभी निवासी महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, सब-तहसील धीरा, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

मुकद्दमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण को समन भेजे गए किन्तु सही पता मालूम न होने के कारण समनात की तामील आसान तरीके से न हो सकी। अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असालतन व वकालतन हाजिर होवे अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रसाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रसाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मु० नं० : 08/08

तारीख मरजुआ : 18-3-2008

तारीख पेशी : 4-11-08

दावा : तकसीम.—खाता नं० 38, खतौनी नं० 87, 88, खसरा किता 4, रकबा 0-17-08 है० स्थित महाल व मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब मुकद्दमा :

जीत सिंह

बनाम

हरनाम सिंह आदि ।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र0 नं0 3. सुशील चन्द, 4. नसीब चन्द, 6. सुनील कुमार पुत्रान जै सिंह, 7. श्रीमती विद्या देवी विधवा जै सिंह, सभी निवासी महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, सब-तहसील धीरा, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण ।

मुकद्दमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण को समन जारी किए गए हैं परन्तु समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो रही है और न ही उनके सही पते उपलब्ध हो रहे हैं ।

अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असातन व वकालतन हाजिर हों अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी ।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ ।

मोहर ।

राजेन्द्र प्रशाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रशाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 09/08

तारीख मरजुआ : 18-3-2008

तारीख पेशी : 4-11-08

दावा : तकसीम.—खाता नं0 11, खतौनी नं0 28 ता 31, खसरा किता 49, रकबा 0-84-90 है0 स्थित महाल भदरोल वूहला, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

ब मुकद्दमा :

जीत सिंह

बनाम

हरनाम सिंह आदि ।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) ।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र0 नं0 3. सुशील चन्द, 4. नसीब चन्द, 6. सुनील कुमार, 7. विद्या देवी विधवा जै सिंह पुत्र प्रभा, सभी निवासी महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण ।

उपरोक्त मुकद्दमा में प्रतिवादीगणों को समन जारी किए गए हैं परन्तु समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो रही है और न ही उनके सही पते उपलब्ध हो रहे हैं ।

अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असातन व वकालतन हाजिर हों अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रशाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेन्द्र प्रशाद, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा,
हिमाचल प्रदेश

मु० नं० : 10/08

तारीख मरजुआ : 18-3-2008

तारीख पेशी : 4-11-08

दावा : तकसीम.—खाता नं० 17, खतौनी नं० 31, 32, खसरा कित्ता 4, रकबा 0-24-07 है० स्थित महाल ओच, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

ब मुकद्दमा :

जीत सिंह

बनाम

हरनाम सिंह आदि।

मिसल तकसीम जेर धारा 123 हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1956, महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा (हि० प्र०)।

नोटिस बनाम प्रतिवादीगण क्र० नं० 3. सुशील चन्द, 4. नसीब चन्द, 6. सुनील कुमार 7. श्रीमती विद्या देवी विधवा जै सिंह पुत्र प्रभा, सभी निवासी महाल रुमेहड़, मौजा धीरा, उप-तहसील धीरा, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रतिवादीगण।

मुकद्दमा उपरोक्त में प्रतिवादीगण को समन जारी किए गए किन्तु सही पता न मालूम होने के कारण समनात की तामील आसान तरीके से नहीं हो सकी।

अतः प्रतिवादीगण को इस राजपत्र इश्तहार से सूचित किया जाता है कि वे उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु दिनांक 4-11-2008 को प्रातः 10.00 बजे असातन व वकालतन हाजिर हों अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में कार्यवाही एक तरफा अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 15-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेन्द्र प्रशाद,
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,
उप-तहसील धीरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री राजेश भण्डारी, उप-पंजीकाध्यक्ष रक्कड़, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री कुलदीप सिंह, वासी महाल वसालग, मौजा कलोहा, तहसील रक्कड़, जिला कांगड़ा।

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री दिनेश कुमार पुत्र कुलदीप सिंह, वासी महाल वसालग, मौजा कलोहा, तहसील रक्कड़, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने इस कार्यालय में एक वसीयत नामा मृतक प्रमिला देवी पुत्री जानकी दास, वासी महाल वसालग, मौजा कलोहा, तहसील रक्कड़, जिला कांगड़ा ने पंजीकृत करवाने हेतु पेश किया है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि मृतका प्रमिला देवी पुत्री जानकी दास ने अपने पोत्र श्री दिनेश कुमार पुत्र कुलदीप सिंह, वासी महाल वसालग, तहसील रक्कड़ के नाम वसीयत की है के बारे में किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 24-10-2008 से पहले असालतन या वकालतन हाजिर आ कर अपना एतराज पेश कर सकता है। हाजिर न होने की सूरत में यक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर वसीयत नामे का पंजीकरण कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 24-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

राजेश भण्डारी,
उप-पंजीकाध्यक्ष रक्कड़,
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

Vinod Kumar Sharma

बनाम

General Public

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

Vinod Kumar Sharma ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि इसकी पुत्री Meenakshi Sharma का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावे। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 22-9-2003 तथा बच्चे का जन्म Chalali गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे में कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 10-11-2008 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर होकर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 16-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

Baldev Chand s/o Shri Bhagat Ram, aged 60 years, r/o Gural, P. O. Bharwaim, Teh. Dehra, District Kangra (H. P.).

बनाम

General Public

दरवास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

Shri Baldev Chand ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि उसकी पुत्री Anita Kumari का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है अब दर्ज किया जावे। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 8-3-2003 तथा बच्चे का जन्म Gural गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 10-11-2008 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर होकर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 25-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

रविन्द्र कुमार

बनाम

General Public

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री रविन्द्र कुमार ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि उसके पुत्र भगवान दास का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावे। इसके पुत्र की जन्म तिथि 23-5-2008 तथा बच्चे का जन्म..... गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 10-11-2008 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर होकर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 25-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, देहरा, तहसील देहरा, जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

Rajesh Kumar s/o Shri Kartar Singh, r/o Gural, VPO Sunhet, Teh. Dehra, District Kangra (H. P.).

बनाम

General Public

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री Rajesh Kumar ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि इसी पुत्री Ashama का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावे। इसकी पुत्री की जन्म तिथि 25-6-2004 तथा बच्चे का जन्म Sunhet गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 10-11-2008 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर होकर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 10-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / -
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत सन्तोष कुमार कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील ज्वालामुखी, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकद्दमा :

श्री संजीव कुमार पुत्र श्री लखू राम, वासी हिरन, मौजा कोहाला, तहसील ज्वालामुखी

बनाम

General Public

दरखास्त जेर धारा 13(3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम जनता।

श्री Sanjeet Kumar ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि इसके पुत्र Sahil का जन्म पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाया गया है। अब दर्ज किया जावे। इसके पुत्र की जन्म तिथि 20-10-2003 तथा बच्चे का जन्म Hiran गांव में हुआ है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 23-12-2008 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर होकर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 24-9-2008 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / —
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
देहरा, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री आर0 सी0 कटोच, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री विहारी लाल पुत्र श्री महन्त राम, निवासी महाल पनेड़, तप्पा टीहरा, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।
प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत नाम दरुस्ती कागजात माल :

श्री विहारी लाल पुत्र श्री महन्त राम, निवासी महाल पनेड़, तप्पा टीहरा, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका नाम, स्कूल प्रमाण—पत्र पंचायत रिकार्ड व अन्य दस्तावेजों में विहारी लाल पुत्र महन्त राम दरुस्त दर्ज है, परन्तु कागजात माल में उसका नाम प्यारे लाल पुत्र महन्त राम गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए कागजात माल में उसका नाम प्यारे लाल की बजाए विहारी लाल पुत्र महन्त राम दरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती में कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 21-10-2008 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 20-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,
तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री सिकन्दर सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह, निवासी महाल बडैहर झिकला, तप्पा डेरू, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।
प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल :

श्री सिकन्दर सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह, निवासी महाल बडैहर झिकला, तप्पा डेरू, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है कि उसका नाम, स्कूल प्रमाण-पत्र पंचायत रिकार्ड व अन्य दस्तावेजों में सिकन्दर सिंह पुत्र धर्म सिंह दुरुस्त दर्ज है, परन्तु कागजात माल में उसका नाम अशोक कुमार पुत्र धर्म सिंह गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए कागजात माल में उसका नाम अशोक कुमार की बजाए सिकन्दर सिंह पुत्र धर्म सिंह दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 20-10-2008 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 20-9-2008 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,
तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 1 अक्टूबर, 2008

संख्या:पी0बी0डब्ल्यू0-ए-बी(2)-9/2004.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग में कार्य निरीक्षक, वर्ग—III (अराजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना से संलग्न उपाबन्ध—“क” के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(i) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग, कार्य निरीक्षक, वर्ग—III (अराजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2008 है।

(ii) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. **निरसन और व्यावृत्तियां.**—(i) इस विभाग की अधिसूचना संख्या: पी0बी0डब्ल्यू0-2बी (2) 30/86 तारीख 05-05-1995 द्वारा अधिसूचित और समय-समय पर यथा संशोधित हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग कार्य निरीक्षक (वर्ग—III अराजपत्रित) भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों का एतद्वारा उस विस्तार तक निरसन किया जाता है जहां तक ये नियमित संवर्ग में लागू गए वर्कचार्ज कार्य निरीक्षक के प्रवर्ग को लागू हो।

(ii) ऐसे निरसन के होते हुए भी उपर्युक्त उप-नियम (प) के अधीन इस प्रकार निरसित नियमों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, बात या कार्रवाई इन नियमों के अधीन विधिमान्य रूप में की गई समझी जाएगी।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/—
सचिव।

अनुबन्ध—क

हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग में कार्य निरीक्षक, वर्ग—III (अराजपत्रित) पद के लिए भर्ती और प्रोन्नति नियम।

1. **पद का नाम.**—कार्य निरीक्षक।

2. **पदों की संख्या.**—1797 (एक हजार सात सौ सत्तानवें)।

3. **वर्गीकरण.**—वर्ग—III (अराजपत्रित)।

3.(क) क्या राज्य संवर्ग है/वृत्त या मण्डल संवर्ग है.—राज्य संवर्ग।

4. **वेतनमान.**—3120—100—3220—110—3660—120—4260—140—4400—150—5000—160—5160 रुपए।

5. **‘चयन’ पद अथवा ‘अचयन’ पद.**—अचयन।

5.(क) **नियुक्ति प्राधिकारी.**—प्रमुख अभियन्ता, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग।

6. **सीधी भर्ती के लिए आयु.**—18 से 45 वर्ष

परन्तु सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों सहित पहले से ही सरकार की सेवा में रत अभ्यर्थियों को लागू नहीं होगी :

परन्तु यह और कि यदि तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्त किया गया अभ्यर्थी इस रूप में नियुक्ति की तारीख को अधिक आयु का हो गया हो, तो वह तदर्थ या संविदा के आधार पर नियुक्ति के कारण विहित आयु में छूट के लिए पात्र नहीं होगा:

परन्तु यह और कि अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों /अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए ऊपरी आयु सीमा में उतनी ही छूट दी जा सकेगी जितनी कि हिमाचल प्रदेश सरकार के साधारण या विशेष आदेश (आदेशों) के अधीन अनुज्ञेय है:

परन्तु यह और भी कि पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के सभी कर्मचारियों को, जो ऐसे पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के समय ऐसे पब्लिक सेक्टर, निगमों/स्वायत्त निकायों में आमेसन से पूर्व सरकारी कर्मचारी थे, सीधी भर्ती में आयु सीमा में ऐसी ही रियायत दी जाएगी जैसी सरकारी कर्मचारियों को अनुज्ञेय है, किन्तु इस प्रकार की रियायत पब्लिक सेक्टर, निगमों तथा स्वायत्त निकायों के ऐसे कर्मचारियों को नहीं दी जाएगी जो पश्चात्पूर्वी ऐसे निगमों/स्वायत्त निकायों द्वारा नियुक्त किए गए थे/ किए गए हैं और उन पब्लिक सेक्टर निगमों/स्वायत्त निकायों के प्रारम्भिक गठन के पश्चात् निगमों/स्वायत्त निकायों की सेवा में अन्तिम रूप से आमेसित किए गए हैं/किए गए थे ।

(1) सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा की गणना उस वर्ष के प्रथम दिवस से की जाएगी जिसमें कि पद (पदों) को आवेदन आमन्त्रित करने के लिए, यथास्थिति, विज्ञापित किया गया है या नियोजनालयों को अधिसूचित किया गया है ।

(2) अन्यथा सुअर्हित अभ्यर्थियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा और अनुभव, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल किया जा सकेगा ।

7. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति(व्यक्तियों) के लिए पद अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं .—अनिवार्य अर्हताएं : मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की हो या इसके समकक्ष ।

(ii) मान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से भवन सन्निर्माण के ट्रेड में प्रमाण पत्र प्राप्त या इसके समतुल्य हो ।

वॉछनीय अर्हता (एँ).—हिमाचल प्रदेश की रुढ़ियों, रीतियों, और बोलियों का ज्ञान और प्रदेश में विद्यमान विशिष्ट दशाओं में नियुक्ति के लिए उपयुक्तता ।

8. सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नत व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं.—आयु : लागू नहीं ।

शैक्षिक अर्हता : जैसी नीचे स्तम्भ संख्या 11 के सामने विहित की गई हैं ।

9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो.—दो वर्ष, जिसका एक वर्ष से अनधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों में और लिखित कारणों से आदेश दें ।

10. भर्ती की पद्धति : भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरे जाने वाले पद (पदों) की प्रतिशतता.—1. साठ प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा नियमित आधार पर ।

2. चालीस प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, ऐसा न होने पर सीधी भर्ती द्वारा नियमित आधार पर या संविदा के आधार पर ।

11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियां (ग्रेड) जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति, स्थानान्तरण किया जाएगा.—(i) मेटों/बेलदारों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका, राज्य/केन्द्रीय सरकार द्वारा

सम्यक् रूप से मान्यता प्राप्त किसी विश्वविद्यालय या संस्थान से सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा/उपाधि या इसके समकक्ष सहित तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल हो ।15 प्रतिशत ।

(ii) मेटों/बेलदारों में से प्रोन्नति द्वारा जिनका, राज्य/केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्यक् रूप से मान्यता प्राप्त किसी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से भवन सन्निर्माण/पर्यवेक्षण/ड्राफ्ट्समैन (सिविल) के ट्रेड में प्रमाण-पत्र या इसके समकक्ष सहित पांच वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल हो ।15 प्रतिशत ।

(iii) मेटों में से प्रोन्नति द्वारा जो मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवी पास या इसके समकक्ष हैं तथा सड़कों/भवनों में कार्यरत हैं और जो किसी विशिष्ट ट्रेड जैसे कारपेन्टर, इलक्ट्रिशियन, पलम्बर आदि के साथ सहबद्ध नहीं हैं और जिनका दस वर्ष का नियमित सेवाकाल या ग्रेड में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, को सम्मिलित करके तीन वर्ष का नियमित सेवाकाल हो ।10 प्रतिशत ।

पदों को भरने के लिए निम्नलिखित 20 बिन्दु रोस्टर का अनुसरण किया जाएगा:—

रोस्टर बिन्दु	प्रवर्ग
पहला, दूसरा, चौथा, छठा, आठवां, दसवां, अठारहवां ग्यारहवां, बारहवां, चौदहवां, सोलहवां, और बीसवां बिन्दु ।	सीधी भर्ती द्वारा
तीसरा, नौवां और पन्द्रहवां	डिप्लोमा/उपाधि धारकों के लिए
पांचवां, तेरहवां और उन्नीसवां	औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान प्रमाण पत्र धारकों के लिए
सतवां और सतरहवां बिन्दु	दसवीं पास के लिए

(रोस्टर प्रत्येक बीसवें बिन्दु के पश्चात् तब तक दोहराया जाता रहेगा जब तक की समस्त प्रवर्गों को दी गई प्रतिशतता तक प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता। तत्पश्चात् रिक्ति को उसी प्रवर्ग में से भरा जाएगा जिससे पद रिक्त हुआ हो ।)

(1) प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरक पद में की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथाविहित सेवाकाल के लिए, इस शर्त के अधीन रहते हुए गणना में ली जाएगी, कि सम्भरक प्रवर्ग में तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार चयन की उचित स्वीकार्य प्रक्रिया को अपनाने के पश्चात् की गई थी:

परन्तु उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्भरक पद में अपने कुल सेवाकाल (तदर्थ आधार पर की गई तदर्थ सेवा सहित, जो नियमित सेवा/नियुक्ति के अनुसरण में हो) के आधार पर उपर्युक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां अपने-अपने प्रवर्ग/पद/काडर में उससे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे:

परन्तु यह और कि उन सभी पदधारियों की, जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना है, की कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती और प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो, होगी:

परन्तु यह और भी कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा/समझे जाएंगे ।

स्पष्टीकरण.—अंतिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है जिसे डिमोबीलाइज्ड आमर्ड फोर्सिज परसोनल (रिजर्वेशन ऑफ वैकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नॉन टैक्नीकल सर्विसीज) रूलज, 1972 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया है और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों या जिसे एक्स सर्विसमैन (रिजर्वेशन ऑफ वैकेन्सीज इन दी हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसीज) रूलज, 1985 के नियम-3 के उपबन्धों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो और इनके अन्तर्गत वरीयता लाभ दिए गए हों।

(2) इसी प्रकार स्थाईकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्भरक पद पर की गई लगातार तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी, यदि तदर्थ नियुक्ति/प्रोन्नति उचित चयन के पश्चात् और भर्ती और प्रोन्नति नियमों के उपबन्धों के अनुसार की गई थी:

परन्तु की गई उपर्युक्त निर्दिष्ट तदर्थ सेवा को गणना में लेने के पश्चात् जो स्थाईकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान हो तो उसकी संरचना.—जैसी सरकार द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

13. भर्ती करने में किन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा.—जैसा विधि द्वारा अपेक्षित हो।

14. सीधी भर्ती के लिए अनिवार्य अपेक्षा.—किसी सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अभ्यर्थी का भारत का नागरिक होना अनिवार्य है।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.—सीधी भर्ती के मामले में, पद पर नियुक्ति के लिए चयन: लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। यदि, यथास्थिति, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग या अन्य भर्ती प्राधिकरण ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित या व्यावहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका स्तर/पाठ्यक्रम, यथास्थिति, आयोग/अन्य भर्ती प्राधिकरण द्वारा अवधारित किया जाएगा।

15—क संविदा नियुक्ति द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन.—संकल्पना : (क) इस पॉलिसी के अधीन हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग में कार्य निरीक्षक संविदा के आधार पर प्रारम्भ में एक वर्ष के लिए लगाया जाएगा जिसे वर्षानुवर्ष आधार पर दो और वर्षों के लिए पर बढ़ाया जा सकेगा।

(ख) पद का हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के कार्यक्षेत्र में आना.—प्रमुख अभियन्ता, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग रिक्त पदों का संविदा के आधार पर भरने के लिए सरकार का अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात् अध्यक्ष को सम्बद्ध भर्ती अभिकरण अर्थात् हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड के समक्ष रखेगा।

(ग) चयन इन नियमों में विहित पात्रता शर्तों के अनुसार किया जाएगा।

(घ) इन नियमों के अधीन इस प्रकार चयनित संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को सरकारी सेवा (जॉब) में नियमितिकरण या स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

(II) संविदात्मक उपलब्धियां.—संविदा के आधार पर नियुक्त कार्य निरिक्षक को 4,830/—रुपए की समेकित संविदात्मक नियत रकम (जो वेतनमान के प्रारम्भिक जमा पचास प्रतिशत मंहगाई वेतन के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी। यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ौतरी की जाती है तो क्रमशः द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए में संविदात्मक रकम में 110/— रुपए वार्षिक वृद्धि के रूप में अनुज्ञात किए जाएंगे।

(III) नियुक्ति/अनुशासन प्राधिकारी.—प्रमुख अभियन्ता, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग नियुक्ति और अनुशासन प्राधिकारी होगा।

(IV) चयन प्रक्रिया.—संविदा नियुक्ति की दशा में पद पर नियुक्ति लिए चयन, मौखिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा या यदि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन समझे, तो लिखित परीक्षा या व्यावहारिक परीक्षा के आधार पर किया जाएगा जिसका सम्बद्ध भर्ती अभिरक्षण अर्थात् हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड द्वारा अवधारित किया जाएगा।

(V) संविदात्मक नियुक्तियों के लिए चयन समिति.—जैसी सम्बद्ध भर्ती अभिरक्षण अर्थात् हिमाचल प्रदेश अधीनस्थ सेवाएं चयन बोर्ड द्वारा समय-समय पर गठित की जाए।

(V) करार.—अभ्यर्थी को, चयन के पश्चात् इन नियमों से संलग्न उपाबन्ध-ख के अनुसार करार हस्ताक्षरित करना होगा।

(VII) निबन्धन और शर्तें.—(क) संविदा के आधार पर नियुक्त व्यक्ति को 830/—रुपए की समेकित नियत संविदात्मक रकम (जो वेतनमान के प्रारम्भिक जमा पचास प्रतिशत मंहगाई वेतन के बराबर होगी) प्रतिमास संदत्त की जाएगी। यदि संविदा में एक वर्ष से अधिक की बढ़ौतरी की जाती है तो संविदा पर नियुक्त व्यक्ति क्रमशः द्वितीय और तृतीय वर्ष के लिए संविदात्मक रकम में वार्षिक वृद्धि के रूप में 110/—रुपए का हकदार होगा अन्य कोई प्रसुविधाएं जैसे वरिष्ठ/चयन वेतनमान आदि नहीं दिया जाएगा।

(ख) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति की सेवा पूर्णतया अस्थायी आधार पर होगी। नियुक्ति समाप्त किए जाने के लिए दायी होगी यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है।

(ग) संविदा पर नियुक्ति, पदधारी को किसी भी दशा में, सेवा में नियमितिकरण का कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।

(घ) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञेय नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा। केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।

(ङ) नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना सेवा से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा की समाप्ति (पर्यावसान) हो जाएगी। संविदा पर नियुक्त व्यक्ति कर्त्तव्य (ड्यूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम का हकदार नहीं होगा।

(च) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए स्थानान्तरण किसी भी दशा में अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(छ) चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। बारह सप्ताह से अधिक की गर्भवती महिला प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थी का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाएगा।

(ज) संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी नियमित कर्मचारियों को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है, यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते की हकदार होगा।

(VIII) नियमित नियुक्ति के लिए दावा करने का अधिकार.—इन नियमों के अधीन संविदा के आधार पर नियुक्त किए गए अभ्यर्थी को, किसी भी दशा में विभाग में कनिष्ठ तकनीशियन (विद्युत) के रूप में नियमितिकरण/स्थाई आमेलन का दावा करने का कोई अधिकार नहीं होगा।

16. आरक्षण.—सेवा में नियुक्ति, हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा, समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों /अन्य पिछड़े वर्गों और अन्य प्रवर्ग के व्यक्ति (व्यक्तियों) के लिए सेवा में आरक्षण की बाबत जारी किए गए अनुदेशों के अधीन होगी।

17. विभागीय परीक्षा.—लागू नहीं।

18. शिथिल करने की शक्ति.—जहां राज्य सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, कारणों को लिखित में अभिलिखित करके और हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, आदेश द्वारा, इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्ति (व्यक्तियों) के प्रवर्ग या (पदों) की बाबत, शिथिल कर सकेगी।

कनिष्ठ तकनीशियन (विद्युत) और हिमाचल प्रदेश सरकार के मध्य मुख्य अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) शिमला, लोक निर्माण विभाग के माध्यम से निष्पादित की जाने वाली संविदा/करार का प्ररूप।

यह करार श्री/श्रीमति..... पुत्र/पुत्री श्री.....
..... निवासी....., संविदा पर नियुक्त व्यक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् “प्रथम पक्षकार” कहा गया है) और हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के मध्य मुख्य अभियन्ता (इलैक्ट्रीकल) शिमला, लोक निर्माण विभाग (जिसे इसमें इसके पश्चात् “द्वितीय पक्षकार” कहा गया है) के माध्यम से आज तारीख.....
..... को किया गया।

“द्वितीय पक्षकार” ने उपरोक्त प्रथम पक्षकार को लगाया है और प्रथम पक्षकार ने कनिष्ठ तकनीशियन(विद्युत) रूप में संविदा आधार पर निम्नलिखित निबन्धन और शर्तों पर सेवा करने के लिए सहमति दी है:—

1. यह कि प्रथम पक्षकार कनिष्ठ तकनीशियन (विद्युत) के रूप में..... से प्रारम्भ होने और..... को समाप्त होने वाले दिन तक एक वर्ष की अवधि के लिए द्वितीय पक्षकार की सेवा में रहेगा। यह विनिर्दिष्ट रूप से उल्लिखित किया गया है और दोनों पक्षकारों द्वारा करार पाया गया है कि प्रथम पक्षकार की द्वितीय पक्षकार के साथ संविदा, आखिरी कार्य दिवस् को अर्थात्..... दिन को स्वयंमेव ही समाप्त समझी जाएगी और सूचना नोटिस आवश्यक नहीं होगा।

2. प्रथम पक्षकार की संविदात्मक रकम..... रुपए प्रतिमास होगी ।
3. प्रथम पक्षकार की सेवा बिल्कुल अस्थाई आधार पर होगी। यदि संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का कार्य/आचरण ठीक नहीं पाया जाता है या यदि नियमित पदधारी उस रिक्ति के विरुद्ध नियुक्त/तैनात कर दिया जाता है जिसके लिए प्रथम पक्षकार को लगाया गया है तो नियुक्ति समाप्त (पर्यवसित) की जाने के लिए दायी होगी।
4. संविदा नियुक्ति, किसी भी दशा में, नियमित सेवा के लिए पदधारी को कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगी।
5. संविदा पर नियुक्त कनिष्ठ तकनीशियन(विद्युत) एक मास की सेवा पूरी करने के पश्चात् एक दिन के आकस्मिक अवकाश का हकदार होगा। यह अवकाश एक वर्ष तक संचित किया जा सकेगा। संविदा पर नियुक्त कनिष्ठ तकनीशियन (विद्युत) को किसी भी प्रकार का अन्य कोई अवकाश अनुज्ञात नहीं होगा। वह चिकित्सा प्रतिपूर्ति और एल0टी0सी0 इत्यादि के लिए भी हकदार नहीं होगा। केवल प्रसूति अवकाश नियमानुसार दिया जाएगा।
6. नियन्त्रक अधिकारी के अनुमोदन के बिना कर्तव्य (ड्यूटी) से अनधिकृत अनुपस्थिति से स्वतः ही संविदा का समापन (पर्यवसान) हो जाएगा। संविदा पर नियुक्त कनिष्ठ तकनीशियन(विद्युत) (ड्यूटी) से अनुपस्थिति की अवधि के लिए संविदात्मक रकम की हकदार नहीं होगा।
7. संविदा के आधार पर नियुक्त कर्मचारी का एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए स्थानान्तरण किसी भी दशा में अनुज्ञात नहीं होगा।
8. चयनित अभ्यर्थी को सरकारी/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी से अपना आरोग्य प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। महिला अभ्यर्थियों की दशा में, बारह सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था प्रसव होने तक, उसे अस्थाई तौर पर अनुपयुक्त बना देगी। महिला अभ्यर्थियों का किसी प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी/व्यवसायी द्वारा उपयुक्तता के लिए पुनः परीक्षण किया जाना चाहिए।
9. संविदा पर नियुक्त व्यक्ति का यदि अपने पदीय कर्तव्यों के सम्बन्ध में दौरे पर जाना अपेक्षित हो, तो वह उसी दर पर, जैसी कि नियमित प्रतिस्थानी कर्मचारी को वेतनमान के न्यूनतम पर लागू है यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का हकदार होगा/होगी।
10. संविदात्मक नियुक्त महिला(ओं) को सामूहिक जीवन बीमा योजना के साथ-साथ इ0पी0एफ0/जी0पी0एफ0 भी लागू नहीं होगा।

इसके साक्ष्यस्वरूप प्रथम पक्षकार और द्वितीय पक्षकार ने साक्षियों की उपस्थिति में इसमें सर्वप्रथम उल्लिखित तारीख को अपने-अपने हस्ताक्षर कर दिए हैं।

साक्षी की उपस्थिति में

1.....

.....

.....

(नाम व पूरा पता)

2.....

 (नाम व पूरा पता)

(प्रथम पक्षकार के हस्ताक्षर)

साक्षी की उपस्थिति में
 1.....

 (नाम व पूरा पता)

2.....

 नाम व पूरा पता

(द्वितीय पक्षकार के हस्ताक्षर)

STATE ELECTION COMMISSION HIMACHAL PRADESH

NOTIFICATION

the 6th October, 2008

No.SEC.13-85/2006-I-1461-1475.—In exercise of the powers vested in it under section 281 of Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 and rule 22 and 69 of the Himachal Municipal (Election) Rules, 1994, the State Election Commission Himachal Pradesh hereby notifies the election programme for the conduct of bye-election to fill up the vacant seat of ward No. 6 of Nagar Panchayat Jubbal & Ward No. 4 of Nagar Panchayat Sunni of District Shimla and ward No. 6 of Nagar Panchayat Gagret of District Una as under:—

1. Nomination papers to be filed : On 15th, 16th and 17th October, 2008 (between 11.00 am to 3.00 pm) Nomination papers shall be filed at the place, and before the officer appointed by the Returning Officer (Deputy Commissioner).
2. Scrutiny of nomination papers : On 18th October, 2008.
3. Withdrawal of candidature : On 20th October, 2008 (before 3.00 pm).
4. The list of contesting candidates : On 20th October, 2008 immediately after the time of withdrawal is over. The list of contesting candidates will show the name of symbol allotted to them.
5. Polling Stations : The list of polling stations shall be made public and pasted on or before 15th October, 2008
6. Date of Poll, if necessary : On 5th November, 2008 between 7.00 am to 3.00 pm

7. Counting of votes, in the event of poll : On 5th November, 2008 immediately after the polling is over at Headquarter of Nagar Panchayat concerned.
8. Declaration of election result : On 5th November, 2008 immediately after the counting is over.

Note.—The election process shall be completed by 7th November, 2008.

By order,
RAJENDAR BHATTACHARYA,
State Election Commissioner,
Himachal Pradesh.